

# विद्यालय स्वच्छता एवं स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम

4 दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण मॉड्यूल





# विद्यालय स्वच्छता एवं स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम

4 दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण मॉड्यूल



Jharkhand Education  
Project Council



Drinking Water & Sanitation Deptt.  
Govt. of Jharkhand

unicef 



# प्रस्तावना



अच्छा स्वास्थ्य और बेहतर जीवन बड़ी-बड़ी बातों पर नहीं बल्कि छोटी-छोटी बातों पर निर्भर करता है। और ये बातें आधारित होती हैं हमारे जीवन कौशल और अपने परिवेश को देखने के नज़रिए पर। इन्हीं छोटी बातों के महत्व को समझाने के लिए काफी बड़े और महत्वपूर्ण प्रयास किये जा रहे हैं। स्कूल स्वच्छता एवं स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम को पूरे राज्य में क्रियान्वित करने की योजना है, जिसमें शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

शिक्षक हमारे समाज के लिए उतने ही महत्वपूर्ण हैं जितने एक वृक्ष के लिए उसकी जड़ें। बच्चों में जीवन कौशल विकसित करने की प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष दोनों रूप से उनकी जिम्मेदारी बनती है। जब बच्चे जानकारी से लैस होंगे तो परिवार और फिर समुदाय में भी अपेक्षित परिवर्तन स्पष्ट रूप से दृष्टिगत होंगे। कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए जरूरी है कि विभिन्न संस्थाएं इसमें पूर्ण रूप से सहयोग करें। झारखंड शिक्षा परियोजना एवं यूनिसेफ के सहयोग से विकसित यह प्रशिक्षण मॉड्यूल इस कार्यक्रम के कार्यान्वयन में सहायक सिद्ध होंगे एवं कार्य की गुणवत्ता भी बढ़ेगी।

इस मॉड्यूल के निर्माण में यूनिसेफ द्वारा दिये गये तकनीकी सहयोग के लिए आभार प्रकट करते हैं और आशान्वित हैं कि पेयजल स्वच्छता विभाग और झारखंड शिक्षा परियोजना एवं यूनिसेफ के सहयोग से “स्कूल स्वच्छता एवं स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम” को पूरे राज्य में लागू किया जा सकेगा।

आशा है कि सबों का ये मिलाजुला प्रयास विकास के क्षेत्र का एक मीलपत्थर साबित होगा।

शुभकामनाएँ

सुधीर प्रसाद  
सरकार के सचिव  
पेयजल एवं स्वच्छता विभाग  
झारखंड सरकार



# संदेश

मित्रों,

इस चार दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण मॉड्यूल को प्रस्तुत करते हुए हमें अत्यंत सुखद अनुभूति हो रही है। स्वच्छता एवं स्वास्थ्य को प्राथमिक शिक्षा के साथ जोड़ने के लिए यह आवश्यक है कि शिक्षकों को इन विषयों की व्यावहारिक जानकारी हो, विद्यालय के कार्यक्रम में इनका समावेश कैसे किया जाय, इसके लिए कुछ तरीके भी प्रस्तुत किए गए हैं, जिसके आधार पर वे प्रशिक्षणोपरान्त विद्यालयों में, बच्चों में तथा समुदाय में इस प्रयास को मूर्त रूप दे सकें।

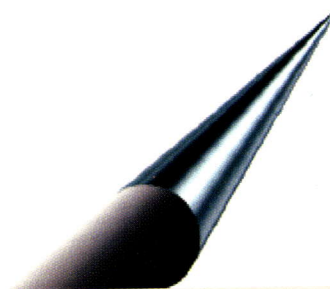
शिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए यह प्रशिक्षण मॉड्यूल राज्य में पूर्ववर्ती वर्षों में चलाए गए परियोजना यथा स्वस्थ, स्कूल स्वच्छता एवं स्वास्थ्य कार्यक्रम तथा अन्य राज्यों के अनुभवों को समाहित कर जून, 2004 के राज्य स्तरीय कार्यशाला में अंतिम रूप दिया गया। इस मॉड्यूल के निर्माण में यूनीसेफ द्वारा दिया गया सहयोग के हम आभारी हैं। यूनीसेफ के साथ इस क्षेत्र में सहयोग के द्वारा पूरे राज्य में स्कूल स्वच्छता एवं स्वास्थ्य कार्यक्रम को फैला सकेंगे। इसी आशा के साथ यह मॉड्यूल प्रस्तुत की जा रही है।

इस मॉड्यूल में स्वच्छता संबंधित विभिन्न अवधारणाओं और उनके व्यावहारिक जीवन के साथ सही तालमेल पर विशेष ध्यान दिया गया है। इसमें स्वच्छता की आवश्यकता को व्यक्तिगत स्तर से लेकर सामुदायिक स्तर तक अत्यंत सूक्ष्म रूप से देखा और दिखाया गया है। टीकाकरण, शुद्ध पेयजल, अल्प व्यय शौचालय तथा विद्यालय स्वच्छता से लेकर सामुदायिक स्वच्छता की आवश्यकता को पूरी तरह से उभारा गया है। जोश भरे अभियान गीत और जानकारी के संवर्धन हेतु पाठ्य सामग्रियाँ, स्वच्छता सम्बन्धी नारे एवं कविताएँ, स्वमूल्यांकन प्रपत्र आदि मॉड्यूल के परिशिष्ट में संकलित हैं।

यह मॉड्यूल न केवल प्रशिक्षकों के लिए वरन शिक्षकों के लिए भी Reference book के रूप में कार्य कर सकता है। हमें पूरा विश्वास है कि यह मॉड्यूल स्वस्थ जीवन और स्वच्छ परिवेश की दिशा में उठाए गए, एक अच्छे कदम के रूप में साबित होगा और यह आशा है कि न सिर्फ विद्यालयों के बच्चों और शिक्षकों के लिए बल्कि पूरे समुदाय के लिए भी, सकारात्मक बदलाव लाने वाले और कई रास्ते खुलते जाएँगे।

झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद्

राँची





# अनुक्रमणिका



1 शिड्यूल

2 मॉड्यूल

3 गीत संग्रह

4 परिशिष्ट

5 अतिरिक्त पाठ्य सामग्री

6 प्रशिक्षणोपयोगी सामग्री सूची

प्रथम दिवस

द्वितीय दिवस

तृतीय दिवस

चतुर्थ दिवस









## चार दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम

प्रथम दिवस				
क्र.सं.	समय	विषय	उद्देश्य	विधि
			प्रतिभागियों की संख्या जानना	लिखित
1.	10.00-11.00	पंजीकरण	मान सम्मान करना	भाषण
2.	11.00-11.15	स्वागत	शिक्षक दूर करना, सहभागिता का वातावरण बनाना, एक दूसरे को जानना, सीखने सिखाने के लिए अनुकूल वातावरण बनाना	मेरी गो राउंड खेल
3.	11.15-12.00	परिचय	प्रतिभागियों में स्वच्छता संबंधी जानकारी के स्तर को प्रशिक्षण पूर्व जानना, विद्यालय की स्थिति से अवगत होना	लिखित
4.	12.00-12.30	पूर्व मूल्यांकन एवं विद्यालय संबंधी सूचना	सहभागिता आधारित प्रशिक्षण में प्रतिभागियों का सहयोग, समय निर्धारण, प्रतिवेदन	पूर्व मूल्यांकन प्रपत्र, विद्यालय सूचना प्रपत्र
5.	12.30-12.45	प्रशिक्षण के नियम	प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्देश्यों से परिचित कराना, विद्यालय स्वास्थ्य एवं स्वच्छता कार्यक्रम की प्रमुख उद्देश्यों की जानकारी देना।	चार्ट पेपर, मार्कर
6.	12.45-13.15	प्रशिक्षण का उद्देश्य स्वास्थ्य, सम्पूर्ण स्वच्छता अभियान, स्वजलधारा	समूह को स्वच्छता के प्रति संवेदनशील बनाना	चार्ट पेपर, मार्कर, हस्तप्रति
7.	13.15-14.00	भोजन	गंदगी एवं गंदे पानी से होने वाली बीमारियों की जानकारी, स्वच्छता एवं बीमारियों में संबंध तथा महत्व	कागज के छोटे टुकड़े, स्केच पेन
8.	14.00-15.00	स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के प्रति सकारात्मक सोच	गंदे जल एवं गंदगी से होने वाली बीमारियों के प्रमुख कारण, लक्षण, परिणाम एवं रोकथाम की जानकारी घरेलू उपचार की जानकारी ओ०आर०एस० की जानकारी	सभी बीमारियों से संबंधित कार्ड, ओ०आर०एस०, शीशे का ग्लास, पॉलिथीन बैग, चार्ट पेपर, मार्कर, हस्तप्रति
9.	15.00-15.45	बीमारियाँ एवं खर्च	स्वच्छता सम्बन्धित गीत, नारा, कविता, कहानी का निर्माण	चार्ट पेपर, मार्कर, स्केच पेन, सादा कागज
10.	15.45-16.00	चाय		
11.	16.00-17.30	दस्तरेग / डायरिया, कृमि, खुजली	सूजनशीलता	
12.	20.00-21.00			



## द्वितीय दिवस

क्र.सं.	समय	विषय	उद्देश्य	विधि	आवश्यक सामग्री
1.	9.00-09.30	प्रार्थना, प्रतिवेदन	माहौल निर्माण, चेतना की जागृति, प्रथम दिवस प्रशिक्षण में कराये गये क्रियाकलापों की पुनरावृत्ति	सामूहिक गीत, प्रतिवेदन प्रस्तुतीकरण चर्चा	प्रेरणा गीत की पुस्तक
2.	09.30-10.15	टीकाकरण	टीकाकरण क्यों जरूरी है एवं राष्ट्रीय टीकाकरण की जानकारी देना	सभाषण एवं चर्चा	चार्ट पेपर, मार्कर, हस्तप्रति
3.	10.15-11.00	मानव मल का मुँह तक संचरण	मानव मल अन्य स्रोतों में माध्यम से बीमारियों के कीटाणु व्यक्ति के स्वस्थ शरीर में कैसे प्रवेश करते हैं एवं बीमारी के कारण बनते हैं- की जानकारी देना	चार्ट प्रदर्शन एवं चर्चा, मल जनित रोग के पाँच रास्ते	विभिन्न प्रकार के स्वच्छता संबंधी कार्ड, लक्ष्मण रेखा हस्तप्रति
4.	11.00-11.15	चाय			
5.	11.15-12.15	स्वच्छता के सात घटक	स्वच्छता के विभिन्न घटकों की जानकारी देना	फिल्म प्रदर्शन, चर्चा, पुस्तक पर चर्चा	टी०बी०, वी०सी०डी०, पुस्तक सी०डी०, चार्ट पेपर, मार्कर
6.	12.15-13.00	स्वच्छ पानी का रख रखाव तथा बेकार पानी का निस्तारण	स्वच्छ जल के रख रखाव एवं उपयोग के तरीकों की जानकारी दूषित जल से फैलने वाली बीमारियों की जानकारी देना बेकार पानी के निस्तारण के महत्व की समझ देना	सीरिज कार्ड अभ्यास, प्रदर्शन, सामूहिक चर्चा	चार्ट पेपर, मार्कर, श्यामपट्ट
7.	13.00-14.00	भोजन			
8.	14.00-16.00	मानव मल का सुरक्षित निपटान	शौचालय निर्माण की आवश्यकता कि समझ पैदा करना अल्प व्यय शौचालय निर्माण के विकल्पों की जानकारी देना अल्प व्यय शौचालय के माँग उत्पत्ति के तरीकों की जानकारी देना विद्यालय के शौचालय की तकनीकी जानकारी शौचालय के रख-रखाव एवं उपयोग के तरीकों की जानकारी	फिल्म, पोस्टर प्रदर्शन, चर्चा	टी०बी०, वी०सी०डी०, सी०डी०, चार्ट पेपर, मार्कर
9.	16.00-16.15	चाय			
10.	16.15-16.45	कूड़ा करकट एवं गोबर का सही निपटान	कूड़ा करकट एवं गोबर के निपटान की जानकारी देना कूड़ा गड्ढा एवं सोख्ता गड्ढा के निर्माण के तरीके की विस्तृत जानकारी देना	पोस्टर प्रदर्शन, सामूहिक	चार्ट पेपर, मार्कर
11.	16.45-17.15	व्यक्तिगत, पारिवारिक एवं सामुदायिक स्वच्छता	व्यक्तिगत पारिवारिक स्वच्छता के विभिन्न प्रकार सामुदायिक घटकों की समझ विकसित करना स्कूल की क्या भूमिका रहेगी, की जानकारी देना	तौन समूह बना कर चर्चा करवाना अच्छी आदतों की पहचान और 1. आदत परिवर्तन की पहचान	चार्ट पेपर, मार्कर, स्केच पेन
12.	17.15-18.00	बीमारियों के फैलने के कारण एवं माध्यम	गंदगी एवं गंदे पानी से होने वाले बीमारियों के स्रोत तथा प्रमुख कारणों को जानना स्वच्छता के सातों आयाम के महत्व को समझाना	मॉड ऑफ डिजिज चार्ट वितरण, प्रतिभागियों से भरवाना, प्रदर्शन एवं चार्ट	मॉड ऑफ डिजिज चार्ट
13.	20.00-21.00	पाठ्य पुस्तक का स्वच्छता से जुड़ाव	विद्यालय स्वास्थ्य एवं स्वच्छता कार्यक्रम में कक्षा अध्यापन के पाठ का स्वच्छता से जुड़ाव सुनिश्चित करना	पुस्तक वितरण एवं व्यक्तिगत अध्ययन	मूल पाठ-पुस्तक



### तृतीय दिवस

क्र०सं०	समय	विषय	उद्देश्य	विधि	आवश्यक सामग्री
1.	9.00-09.30	प्रार्थना, प्रतिवेदन	माहौल निर्माण, चेतना की जागृति, द्वितीय दिवस प्रशिक्षण में कराये गये क्रियकलापों की पुनरावृत्ति	सामूहिक गीत, प्रतिवेदन पढ़न, चर्चा	प्रेरणा गीत की पुस्तक
2.	09.30-11.00	जीवन कौशल पुस्तक एवं पाठ्य पुस्तक से स्वच्छता का जुड़ाव	जीवन कौशल के महत्व को समझना पाठ्यक्रम में स्वास्थ्य शिक्षा से संबंधित आयामों को जोड़ना	प्रशिक्षक द्वारा किसी एक पाठ पर डीमो क्लास प्रस्तुत करना, कमूह कार्य, प्रस्तुतीकरण, चर्चा प्रस्तुत करना है।)	कक्षा 1 से 8 तक की पाठ्य पुस्तक का सेट, जीवन कौशल की पुस्तक (ज्योति शिक्षक को डीमो क्लास
3.	11.00-11.15	चाय			
4.	11.15-12.30	जीवन कौशल पुस्तक एवं पाठ्य पुस्तक से स्वच्छता का जुड़ाव	जीवन कौशल के महत्व को समझना पाठ्यक्रम में स्वास्थ्य शिक्षा से संबंधित आयामों को जोड़ना	प्रशिक्षक द्वारा किसी एक पाठ पर डीमो क्लास करना, समूह कार्य, प्रस्तुतीकरण, चर्चा	कक्षा 1 से 8 तक की पाठ्य पुस्तक का सेट, जीवन कौशल की पुस्तक
5.	12.30-13.00	क्षेत्र भ्रमण की योजना पर चर्चा	विद्यालय एवं समुदाय के स्वास्थ्य संबंधी घटकों (पी०एच०सी०, आंगनवाड़ी केंद्र, प्राथमिक विद्यालय) में सहसंबन्ध बताना, प्रोडक्शन सेन्टर	समूह कार्य तीन/दो समूह में होंगे-1. विद्यालयीय कक्षा में बच्चों का अध्यापन,2. आँ. केंद्र का अध्ययन एवं सेवा दान तथा स्वच्छता से जुड़ाव पर चर्चा 3. ग्राम का नजरी नक्शा	हस्ताप्रति
6.	13.00-14.00	भोजन			
7.	14.00-17.30	क्षेत्र काभ्रमण	वास्तविक स्थिति से अवगत होना	भ्रमण	प्रपत्र
8.	17.30-18.00	क्षेत्र भ्रमण पर प्रतिवेदन	गइराई से जानना तथा रिकॉर्ड रखना	लिखित	सादा कागज
9.	20.00-21.00	सामग्री वितरण	विद्यालय स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत लिए जाने वाले सामग्री (स्वच्छता कीट) के उपयोग की जानकारी देना	प्रत्येक सामग्री दिखा कर उस पर चर्चा	स्वच्छता कीट



क्र०स०	समय	विषय	उद्देश्य	विधि	आवश्यक सामग्री
1.	9.00-09.30	प्रार्थना, प्रतिवेदन	माहौल निर्माण, चेतना जागृति, तृतीय दिवस प्रशिक्षण में कराये गये क्रियाकलापों की पुनरावृति	सामूहिक गीत, प्रतिवेदन पठन, चर्चा	प्रेरण गीत की पुस्तक
2.	09.30-11.00	क्षेत्र भ्रमण का प्रतिवेदन	सर्वे से प्राप्त जानकारी से अवगत कराना, गांव कि वास्तविक स्थिति से अवगत कराना	प्रतिवेदन प्रस्तुति	
3.	11.00-11.15	चाय			
4.	11.15-12.15	बाल संसद एवं ग्राम शिक्षा समिति	विद्यालय स्वास्थ्य एवं स्वच्छता कार्यक्रम के उद्देश्य की पूर्ति के लिए बाल संसद एवं ग्राम शिक्षा समिति से सहयोग लेने की जानकारी	संभाषण, चर्चा	हस्तप्रति
5.	12.15-12.45	स्वस्थ बच्चा, विद्यालय, वातावरण क्या है?	स्वस्थ बच्चे, विद्यालय, वातावरण की समझ को पक्का करना। प्रशिक्षण कि समझ को व्यवहार में लाने के लिए अभिप्रेरित करना।	चार्ट प्रस्तुति एवं चर्चा	चार्ट पेपर, मार्कर
6.	12.45-13.30	भोजन			
7.	13.30-14.45	प्रबंधन एवं कार्ययोजना का निर्माण	विद्यालय स्वास्थ्य एवं स्वच्छता में प्रबंधन की समझ विकसित करना विद्यालय में वर्ष भर में की जाने वाली गतिविधियों की जानकारी, आगामी कार्य की रणनीति तैयार करना	पूर्व तैयार किए गए प्रारूप पर कमूह कार्य योजना निर्माण	कागज, पेन, स्केल, कार्बन
8.	14.45-15.15	प्रशिक्षणोपरांत मूल्यांकन एवं व्यवहार सहमति प्रपत्र	प्रशिक्षण में कराई जानकारी का मूल्यांकन करना	मूल्यांकन प्रपत्र भरवाना	मूल्यांकन प्रपत्र
9.	15.15-15.30	संकल्प पत्र	सीखे गए बातों को व्यवहार में उतारना	प्रपत्र भरना	प्रपत्र
10.	15.30-15.45	मंतव्य एवं समापन	प्रशिक्षण के अनुभव को चंद शब्दों में रखना	व्यक्तिगत अभिव्यक्ति	





**प्रथम दिवस**







उद्देश्य :-	<ol style="list-style-type: none"> <li>1. स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के द्वारा जीवनोपयोगी शिक्षा को जोड़ना</li> <li>2. स्वास्थ्य एवं स्वच्छता को विद्यालय कार्यक्रम से जोड़ना</li> <li>3. विद्यालय एवं शिक्षकों की भूमिका को चिह्नित करना</li> <li>4. स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के महत्व की समझ विकसित करना</li> </ol>
विषय-वस्तु :-	भाषण के आधार-बिन्दु जीवन में स्वच्छता के महत्व एवं अस्वच्छता से होने वाली हानि:
क्रिया-विधि :-	भाषण विधि-मुख्य अतिथि / प्रशिक्षक द्वारा उपर्युक्त बातों पर प्रकाश डालना, साथ ही प्रशिक्षण में सीखने-सिखाने के दौरान उचित व्यवहार करने के लिए प्रतिभागियों को प्रेरित करने वाला प्रभावी उद्बोधन देना।
शंका-समाधान :-	उद्बोधन के उपरान्त यदि प्रतिभागियों में कार्यक्रम अथवा उपर्युक्त विषय में कोई विशेष जिज्ञासा उत्पन्न हो, तो प्रमुख व्यक्ति निवारण कर सकते हैं।
निष्कर्ष :-	प्रतिभागियों को कार्यक्रम के प्रशिक्षण में रुचि उत्पन्न होगी। प्रशिक्षण में पूर्ण मनोयोग से जुड़कर सहयोग देने को तैयार होंगे।

उद्देश्य :-	<ul style="list-style-type: none"> <li>* प्रतिभागियों का परस्पर संकोच दूर हो सकेगा</li> <li>* सहभागिता एवं रचनात्मकता की जानकारी हो सकेगी</li> <li>* प्रतिभागियों और सन्दर्भ व्यक्तियों में दूरी कम हो सकेगी</li> </ul>
विषय-वस्तु :-	“मेरी गो राऊंड”
क्रिया-विधि :-	प्रशिक्षक प्रतिभागियों को गोल में खड़े होने के लिए कहेंगे उसके बाद उनसे एक-दो गिनती बोलने को कहेंगे, इस प्रकार दो दल बन जाएगा। दोनो दलों को दो गोल घेरा बनाने को कहेंगे। दल 1 अन्दर गोल घेरा बनाएंगे और दल संख्या 2 दल संख्या 1 के चारों ओर बाहर से गोल घेरा बनाएंगे। दोनो दलों को एक दूसरे के विपरीत दिशा में खड़े होने को कहेंगे। प्रतिभागियों को निर्देश देंगे की जैसे ही घंटी की आवाज शुरू होगी वैसे ही दोनों दल एक दूसरे के विपरीत दिशा में घूमने लगेंगे, घंटी की आवाज बन्द होते ही सभी लोग अपने स्थान पर रुक जायेंगे और एक दूसरे के सामने घूम कर खड़े हो जायेंगे, इस प्रकार आमने-सामने दो-दो प्रतिभागी





हो जायेंगे। इस समय प्रशिक्षक नीचे दिए गए प्रश्न में से एक प्रश्न पूछेंगे और निर्देश देंगे की आम्ने सामने-वाले प्रतिभागी एक दूसरे से इसकी जानकारी लें। जब सभी प्रतिभागी जानकारी ले लेंगे तो फिर घंटी बजाने के साथ पहली प्रक्रिया की तरह दूसरी प्रक्रिया शुरू की जायेगी और घंटी बन्द होने के बाद फिर से दूसरा प्रश्न किया जाएगा। इस प्रकार यह प्रक्रिया तीन बार की जायेगी। यह प्रक्रिया तीनों प्रश्न के पूछने एवं उसके उत्तर जानने तक जारी रहेगी।

प्रश्न इस प्रकार का हो सकता है:-

1. एक-दूसरे का नाम पता जानना
2. एक-दूसरे का शौक जानना
3. प्रशिक्षण के बाद आप स्वच्छता संबंधी कौन-कौन से कार्य करना चाहेंगे।

खेल समाप्ति के बाद, खेल के दौरान किए गए अनुभवों के आदान-प्रदान करने को कहेंगे। अनुभव आदान-प्रदान से आई स्वच्छता संबंधी बातों के महत्व पर विशेष रूप से प्रकाश डालते हुए, प्रशिक्षण से संबंध स्थापित करने का प्रयास करेंगे।

निष्कर्ष :-

प्रतिभागियों का एक-दूसरे से परिचय होगा।  
प्रतिभागियों के बीच में झिझक में कमी आयेगी।  
स्वच्छता संबंधी बातों के महत्व से अवगत होंगे।  
स्वास्थ्य प्रशिक्षण का अच्छा माहौल तैयार होगा।

तृतीय सत्र

विद्यालय संबंधी सूचनाएँ

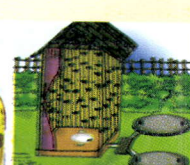
समय : 12.00 - 12.30

उद्देश्य :-

प्रतिभागियों का, विद्यालय स्वास्थ्य एवं स्वच्छता कार्यक्रम के संबंध में वर्तमान जानकारी का आकलन करना  
प्रतिभागियों की वर्तमान जानकारी का आधार लेते हुए प्रशिक्षण के विषयों को प्रभावी रूप से प्रस्तुत करना  
प्रशिक्षण के अन्त तक प्रतिभागियों कि स्वच्छता संबंधी कितनी समझ विकसित हुई है, को तुलनात्मक रूप से जानना  
विद्यालय संबंधी सूचनाएं एकत्र करना ताकि स्वच्छता संबंधी कार्यों का पूर्व आकलन किया जा सके।

विधि :-

प्रश्न प्रपत्र को प्रतिभागियों से भरवाना





**प्रक्रिया** :- प्रतिभागियों के बीच प्रश्न प्रपत्र वितरित करते हुए बतलाएँ की सभी प्रतिभागी अपनी जानकारी के आधार पर प्रश्नों का उत्तर दें। जिस प्रश्न का उत्तर नहीं मालूम है उसे लिखना आवश्यक नहीं है। प्रतिभागियों को प्रश्नों के उत्तर देने का अनुमानित समय 25 मिनट है इसकी जानकारी दे दें। प्रतिभागियों को ये भी जानकारी दे दें की इससे आपके वास्तविक योग्यता को नहीं मापा जा रहा है बल्कि इससे प्रशिक्षण को और प्रभावी बनाने में मदद मिलेगा। निर्धारित समय के बाद सभी से प्रश्नपत्र एकत्रित कर लें। दूसरे दिन सभी प्रतिभागियों का अंक प्रतिशत, प्रशिक्षण कक्ष में लगा दें। (ध्यान दें कि किसी प्रतिभागी का नाम उसमें न आये) विद्यालय संबंधी सूचनाएँ वितरित कर 3 प्रतिभागियों से भरवाकर एकत्र कर लें।

**शंका-समाधान** :- यदि कोई प्रतिभागी स्व-मूल्यांकन के संबंध में किसी तरह की शंका उठाये तो प्रशिक्षक सहजता पूर्वक समझाने का प्रयास करें ताकि प्रतिभागी उसे अन्यथा न लें। विद्यालय संबंधी सूचना के संदर्भ में उठे शंकाओं का समाधान करने का प्रयास करें।

**निष्कर्ष** :- प्रतिभागियों का स्व-मूल्यांकन होगा। प्रशिक्षक, प्रशिक्षण के पूर्व-निर्धारित विषय में से किस विषय को कितना प्रभावी बनाएगा इसकी समझ उसको होगी। प्रशिक्षण के दौरान किन प्रतिभागियों पर विशेष ध्यान देना है इसकी भी समझ प्रशिक्षक को होगी। विद्यालय की जानकारी मिलने पर विषय चर्चा संवर्द्धित होगा। (प्रशिक्षणपूर्व स्व-मूल्यांकन प्रपत्र तथा विद्यालय संबंधी सूचना परिशिष्ट 1 तथा 1a - के रूप में संलग्न है।)

#### चतुर्थ सत्र

#### प्रशिक्षण के नियम

समय : 12.30 - 12.45

#### उद्देश्य

:- प्रशिक्षण के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए सही संचालन। सही संचालन हेतु विभिन्न कार्यों एवम् जिम्मेदारियों का निर्वहन। प्रशिक्षण के संचालन में प्रतिभागियों का सहयोग सुनिश्चित करना।

#### विधि

:- सहभागिता आधारित चर्चा ।

#### क्रिया-विधि

:- सभी प्रतिभागियों को बताएँ कि प्रशिक्षण के चार दिनों के लिए समय का निर्धारण सर्व सम्मति से किया जाना है।

उनकी सुविधा तथा अपनी आवश्यकता अनुसार, प्रतिभागियों की सहमति





से सत्रारम्भ, नाश्ता, भोजनावकाश तथा उसके उपरान्त का समय निर्धारित करें।

भोजन, हॉल तथा स्वच्छता समिति के गठन के लिए स्वेच्छा से प्रतिभागियों को शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करें। समितियों के लिए तीन-चार प्रतिभागियों का चयन करें।

विभिन्न समितियों के कार्य एवं जिम्मेदारियों के संबंध में चर्चा कर प्रतिभागियों की स्पष्ट समझ बनाएं।

समिति के कार्य पर चर्चा एवं प्रतिभागी के चयन के उपरान्त समिति के सदस्यों के नाम चार्ट पेपर पर लिख कर टाँग दें।

प्रतिवेदन लिखने के तरीके को स्पष्ट करते हुए यह स्पष्ट करें कि प्रतिदिन चार प्रतिवेदकों की आवश्यकता होगी जिसमें दो भोजनपूर्व तथा दो भोजनोपरान्त सत्र का प्रतिवेदन लिखेंगे।

### पंचम सत्र

### प्रशिक्षण के उद्देश्य

समय : 12:45 - 13:15

अवधारणा 1 :-

भारत में प्राथमिक शिक्षा का ढाँचा, विश्व के विशालतम ढाँचों में से एक है। प्राथमिक शिक्षा के ढाँचे के माध्यम से माता-पिता और समुदाय को प्रभावित करने के संसाधन के रूप में प्रयोग में लाया जा सकता है। विद्यालयों के माध्यम से “स्वास्थ्य एवं स्वच्छता” कार्यक्रम से बालकों, माता-पिता और समुदाय के बीच स्वच्छता संबंधी आदतों का विकास किया जा सकता है। बालक अपने शिक्षक का बहुत आदर करते हैं, शिक्षक न केवल विद्यालय में बल्कि समुदाय में भी बहुत सम्मान की दृष्टि से देखे जाते हैं। बालक शिक्षक को अपना आदर्श मानते हैं। अतः शिक्षकों के माध्यम से बालकों, माता-पिता एवं समुदाय में व्यवहारगत परिवर्तन लाने के लिए प्रशिक्षण एक प्रभावी माध्यम हो सकता है-

इसके उद्देश्यों को निम्नानुसार समझ सकते हैं :-

- 1- शिक्षक/पैराटीचर्स को “स्वास्थ्य एवं स्वच्छता” की अवधारणा से भली-भाँति परिचित करवाने के लिए
- 2- विद्यालय स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के महत्व को समझाने के लिए
- 3- स्वच्छता के सात घटकों को जीवनोपयोगी बनाने की समझ विकसित करने के लिए





- 4- अस्वच्छता के कारण होने वाली बीमारियों का उपचार एवं खर्च की समझ के लिए
- 5- स्वास्थ्य एवं स्वच्छता कार्यक्रम में समुदाय की जागरूकता तथा विद्यालय के प्रति सकारात्मक जुड़ाव के लिए
- 6- राष्ट्रीय टीकाकरण अभियान की समझ तथा सहयोग हेतु प्रेरित करने के लिए।
- 7- विद्यालय में स्वास्थ्य एवं स्वच्छता संबंधी कार्ययोजना - विद्यालय के सामान्य कार्यों के साथ स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के आयामों यथा पठन-पाठन, प्रार्थना, खेल, बाल सभा आदि बनाकर विद्यार्थियों में अच्छी आदतों को विकसित करने के लिए।
- 8- स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के प्रति समाज की सकारात्मक सोच तथा वातावरण निर्माण में योगदान के लिए ।

अवधारणा 2 :- स्वास्थ्य परियोजना, सम्पूर्ण स्वच्छता अभियान, स्वजलधारा जैसे स्वच्छता संबंधित कार्यक्रम की जानकारी देने के लिए

उद्देश्य :- स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के संदर्भ में चल रहे विभिन्न परियोजना के संबंध में समझ विकसित करना।  
परियोजना के क्रियान्वयन की रणनीति, लक्ष्य उद्देश्य के संबंध में समझ विकसित करना।  
परियोजना क्रियान्वयन में स्वयं की जिम्मेदारी व सहभागिता का बोध कराना।

विधि :- सहभागिता आधारित बड़े समूह में चर्चा, संभाषण

क्रिया-विधि :- प्रशिक्षक सर्वप्रथम प्रतिभागियों से परियोजना के संबंध में इसके लक्ष्य, उद्देश्य, क्रियान्वयन, रणनीति आदि के संबंध में छोटे-छोटे प्रश्न करें। प्रतिभागियों द्वारा उत्तर को प्रशिक्षक ध्यानपूर्वक सुनें। प्रतिभागियों द्वारा उत्तर दिये जाने के बाद प्रशिक्षक आवश्यकतानुसार सही व स्पष्ट जानकारी दें।  
प्रशिक्षक प्रतिभागियों के सुविधा को देखते हुए परियोजना व कार्यक्रम के लक्ष्य उद्देश्य, क्रियान्वयन, रणनीति विभिन्न प्रकार के क्रियाकलाप को चार्ट पेपर / श्यामपट्ट पर लिख सकते हैं।  
चर्चा के उपरान्त “विभिन्न सहयोगी विभागों की भूमिका” हस्तप्रति 1 प्रतिभागियों को वितरित कर उस पर चर्चा करें।

शंका-समाधान :-

परियोजना व कार्यक्रम के संबंध में प्रश्न उठाये जाने पर प्रशिक्षक स्पष्टतापूर्वक समझाएँ।

